



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 152] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 8, 1983/भाद्र 17, 1905  
No. 152] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 8, 1983/BHADRA 17, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली 7 सितम्बर, 1983

सं० 4/1/81-बी०ए०डी० (खंड-3)।—केन्द्र सरकार  
एतद्वारा उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग की  
2-5-1983 की अधिसूचना सं० 4/1/81-बी०ए०डी०  
(खंड-3) में निम्नलिखित मशायन/परिवर्तन करती है --

(1) "उद्योग रहित जिले" शीर्षक के नीचे निम्नलिखित  
को भी जोड़ा जाये --

- |      |           |
|------|-----------|
| केरल | 1 इडुक्की |
|      | 2 वाइनाड  |

जहां तक बिहार का संबंध है "सहरसा" जिले में हाल  
ही में बनाया गया "मधेपुरा" जिला भी सम्मिलित है।

(2) "विशेष क्षेत्र के जिले" शीर्षक के अधीन निम्नलिखित  
संशोधन किए जाएं --

704 GI/83-1

(i) क्र० सं० 1 में अ.साम भिकिर पहाड़ी की विद्यमान  
प्रविष्टि के स्थान पर तारी  
आगलोग रखा जायेगा।

(ii) क्र० सं० 4 में मेवालय विद्यमान प्रविष्टियों में निम्न-  
लिखित का भी जोड़ा जायेगा --  
(1) पूर्वी खासी पहाड़िया और  
(2) पश्चिमी खासी पहाड़िया\*

(iii) क्र० सं० 6 में नागालैंड विद्यमान प्रविष्टियों में निम्नलिखित  
को भी जोड़ा जायेगा --  
(1) मान  
(2) फेक  
(3) थोखा  
(4) जुनहेबोटो

(iv) क्र० सं० 11 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान  
पर निम्नलिखित को  
रखा जायेगा :--

- |                    |
|--------------------|
| (1) तिरुप*         |
| (2) पूर्वी कामेग*  |
| (3) पश्चिमी कामेग* |

- (4) पूर्वी सिपांग\*
- (5) पश्चिमी सिपांग\*
- (6) लोअर सुबंसिरी\*
- (7) अपर सुबंसिरी\*
- (8) डिबंग घाटी
- (9) लोहित

\*उद्योग रहित जिले ।

जिलों की कुल संख्या अब 118 के स्थान पर 131 होगी ।

स्पष्टीकरण :

इस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4/1/81-बी०ए०डी० (खण्ड-3) दिनांक 2 मई, 1983 में श्रेणी "ख" तथा "ग" में दिखाए गये जिले/क्षेत्र वे जिले/क्षेत्र थे जो उनके पुनर्गठन से पूर्व 1-10-1970 को अस्तित्व में थे। इन जिलों/क्षेत्रों में से उपर्युक्त तिथि के बाद निकाल कर बनाये गये क्षेत्र उसी वर से राजसहायता के पात्र रहेंगे जो कि उपर्युक्त अधिसूचना में उल्लिखित जिलों/क्षेत्रों के लिये लागू हैं।

सू०भा० जैन, अपर सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### NOTIFICATION

New Delhi, 7th September, 1983

**No. 4/1/81-BAD(Vol.III):**—The Central Government hereby makes the following amendment/additions to the Ministry of Industry, Department of Industrial Development's Notification No. 4/1/81-BAD(Vol. III) dated 2-5-1983 :—

- (1) Under the heading 'No-Industry Districts' the following shall be added :—  
Kerala  
1. Idukki  
2. Wynad

As regards Bihar the district 'Saharsa' include newly created 'Madhepura' district.

(2) Under the heading 'Special Region Districts' the following amendments shall be made :—

- (i) Against S.No. 1-Assam: The existing entry, 'Mikir Hills' shall be substituted by 'Karbi Anglong'.
- (ii) Against S.No. 4-Meghalaya: The following shall be added to the existing entries :—  
(1) East Khasi Hills and  
(2) West Khasi Hills\*.
- (iii) Against S.No. 6-Nagaland: The following shall be added to the existing entries :—  
(1) Mon  
(2) Phek  
(3) Wokha  
(4) Zunheboto.
- (iv) Against S.No. 11-Arunachal Pradesh: Against the existing entries the following shall be substituted :—  
(1) Tirap\*  
(2) East Kameng\*  
(3) West Kameng\*  
(4) East Siang\*  
(5) West Siang\*  
(6) Lower Subansiri\*  
(7) Upper Subansiri\*  
(8) Dibang Vally\*  
(9) Lohit

\*No-Industry District.

Total number of districts shall now be 121 instead of 118.

### EXPLANATION

Districts/areas appearing in Category 'B' and 'C' of the list of this Ministry Notification No. 4/1/81-BAD (Vol. III) dated 2nd May, 1983 were those districts/areas as they existed on 1-10-1970 prior to their reorganisation. Areas carved out of these districts/areas thereafter would continue to be entitled to the subsidies at the same rates, as are applicable to the districts/areas mentioned in the Notification referred to above.

S. B. JAIN, Addl. Secy